25 हजार के लिए दोस्त और उसकी मां को मार डाला पेज 04
डीयू में पोस्टरबाजी पर तीन के खिलाफ केस पेज 05

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

राजन तलब
रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन को लगातार बढ़ते एनपीए पर संसदीय समिति ने तलब किया है। पेज 11

सोमवार, 20 अगस्त 2018, नगर/गाजियाबाद, पांच प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 83, अंक 198, 16 पेज+4 पेज, मूल्य ₹ 3.00, एचटी एल के साथ ₹ 4.00 एवं हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ ₹ 7.50

18 शहरों के लिए घेरलू उड़ान शुरू होने से लोगों को दिल्ली के जाम से मुक्ति मिलेगी

हिंडन से घरेलू उड़ान के लिए जमीन सौंपी

14 हजार वर्ग मीटर जमीन किसानों से लीज पर लेकर प्रशासन ने सौंपी

08 हजार वर्गमीटर जमीन और लीज पर लेने की कवायद चल रही

22 हजार वर्गमीटर जमीन पर टर्मिनल बनाए जाने का प्रस्ताव है

तरक्की की उड़ान

गाजियाबाद | कार्यालय संवाददाता

हिंडन एयरबेस से घेरलू उड़ान सेवा की तैयारी तेज हो गई है। प्रशासन ने लीज पर ली गई 14 हजार वर्गमीटर जमीन एयरपोर्ट अथॉरिटी को हैंडओवर कर दी है। टर्मिनल बनाने के लिए अगले महीने टेंडर छोड़ा जाएगा। प्रशासन दावा कर रहा है कि दिसंबर तक घेरलू उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी।

खास बात यह है कि हिंडन एयरबेस पर बनने वाले टर्मिनल का नाम सिकंदरपुर रखा जा सकता है। दरअसल, किसानों ने प्रशासन को जमीन लीज पर देने से पहले टर्मिनल का नाम उनके गांव के नाम रखने की शर्त रखी थी। इस पर प्रशासन ने किसानों की शर्त पर विचार का भरोसा दिया था। इसके बाद ही किसान जमीन देने के लिए तैयार हुए। घेरलू उड़ान के लिए कुल 22,050 वर्गमीटर जमीन पर टर्मिनल बनाया जाना है। प्रशासन करीब 14 हजार वर्गमीटर जमीन ले चुका है, जबकि आठ हजार वर्ग मीटर जमीन और लेने की कवायद जारी है। एसडीएम विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि लीज पर ली गई जमीन एयरपोर्ट अथॉरिटी को हैंडओवर कर दी गई। घरेलू उड़ान दिसंबर तक शुरू होनी है। ऐसे में टर्मिनल बनाने का काम तेजी से शुरू होगा। टेंडर प्रक्रिया अगले महीने होगी।

ईस्टर्न पेरिफेरल वे पर कैमरे नहीं लगे होने की वजह से हादसे के बाद दोषी का पता नहीं चल पाता। • हिन्दुस्तान

ईस्टर्न पेरिफेरल वे पर डेढ़ माह में कैमरे

गाजियाबाद | कार्यालय संवाददाता

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए स्पेन की एक कंपनी को टेंडर दे दिया। कैमरे लगाने का काम डेढ़ महीने में शुरू हो जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि कैमरे लगाए जाने से सड़क हादसों और चोरी की घटनाओं में कमी आएगी।

यह एक्सप्रेस वे सोनीपत के कुंडली से बागपत, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा और पलवल तक बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एक्सप्रेस वे का उद्घाटन किया था, जिसके बाद से इसे भारी वाहनों के लिए खोल दिया गया। 135 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस वे पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए थे। कैमरे नहीं होने की वजह से दुर्घटना करने वाले वाहन चालकों को पकड़ने में परेशानी हो रही थी। साथ ही चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वालों की पहचान नहीं की जा रही थी। सड़क हादसे भी लगातार हो रहे हैं। उद्घाटन से पहले ही एक्सप्रेसवे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने थे, मगर कैमरे नहीं लगाए जा सके। एनएचएआई ने अब जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैमरे लगाने के लिए स्पेन की कंपनी को टेंडर दे दिया गया है। डेढ़ महीने के अंदर कैमरे लगाने का काम शुरू हो जाएगा। सोनीपत से लेकर पलवल तक कैमरे लगाने के लिए स्थानों को चिन्हित कर लिया गया है।

25 स्थानों पर कैमरे लगेंगे

गाजियाबाद में एक्सप्रेस वे की 24.4 किलोमीटर लंबाई है। एनएचएआई के सूत्रों ने बताया कि जिले में 25 से ज्यादा स्थानों पर कैमरे लगाए जाने हैं। सभी स्थानों को चिन्हित कर लिया है। हर टोल बूथ पर पांच कैमरे लगाए जाना तय हुआ। सबसे ज्यादा चोरी और सड़क हादसे वाले स्थानों पर कैमरे लगाए जाएंगे